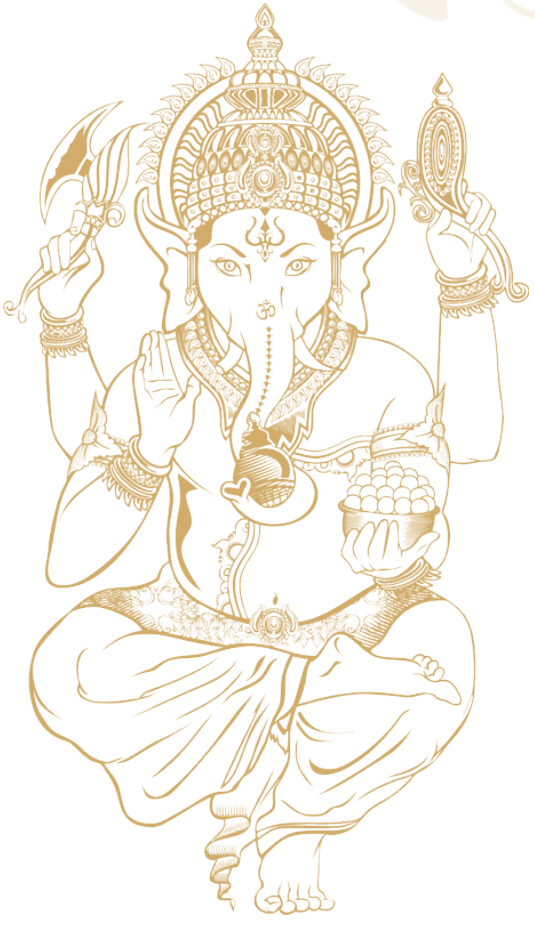

Prashant

25 Jul 1996

12:00 PM

Umaria

Model: web-freekundliweb

Order No: 120200103

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**25/07/1996**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**12:00:00 घंटे**
इष्ट	16:06:09 घटी
स्थान	**Umaria**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	23:30:00 उत्तर
रेखांश	80:52:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:06:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:53:28 घंटे
वेलान्तर	-00:06:30 घंटे
साम्पातिक काल	08:06:27 घंटे
सूर्योदय	05:33:32 घंटे
सूर्यास्त	18:52:09 घंटे
दिनमान	13:18:38 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	08:47:01 कर्क
लग्न के अंश	04:58:16 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 3**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	शुभ
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	ते-तेजवन्त
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	04:58:16	324:10:37	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	सूर्य	---
सूर्य			कर्क	08:47:01	00:57:18	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			तुला	27:38:00	13:38:14	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	सम राशि
मंगल			मिथु	05:51:06	00:40:29	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	चंद्र	शत्रु राशि
बुध			कर्क	23:27:42	01:49:28	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	मंगल	शत्रु राशि
गुरु	व		धनु	16:24:50	00:06:35	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	स्वराशि
शुक्र			वृष	26:24:20	00:39:03	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	गुरु	स्वराशि
शनि	व		मीन	13:33:20	00:00:39	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	सम राशि
राहु	व		कन्या	16:47:03	00:02:25	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	शनि	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	16:47:03	00:02:25	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	मूलत्रिकोण
हर्ष	व		मक	08:47:47	00:02:24	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
नेप	व		मक	02:22:42	00:01:37	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	06:35:45	00:00:32	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	---
दशम भाव			कर्क	05:38:45	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:37

लग्न-चलित

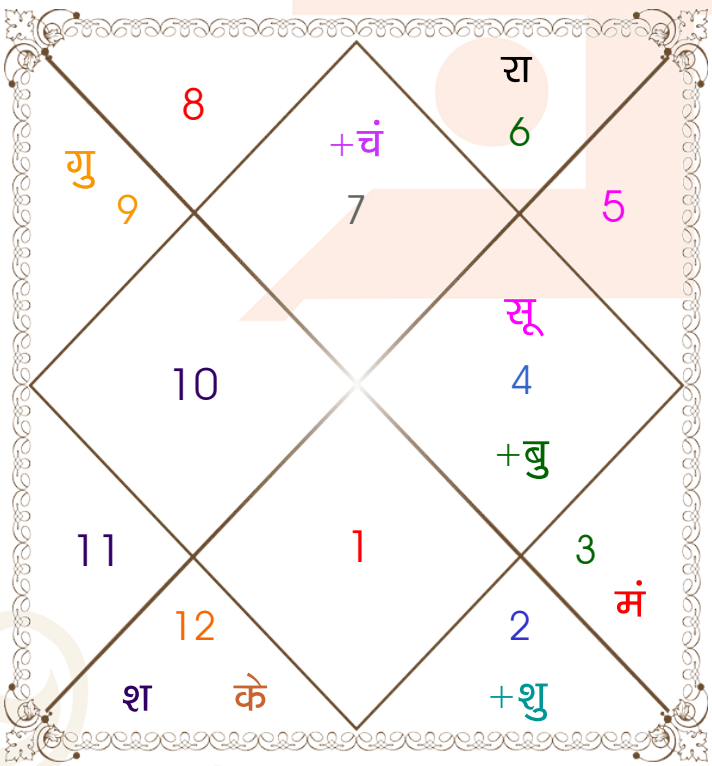

चन्द्र कुंडली

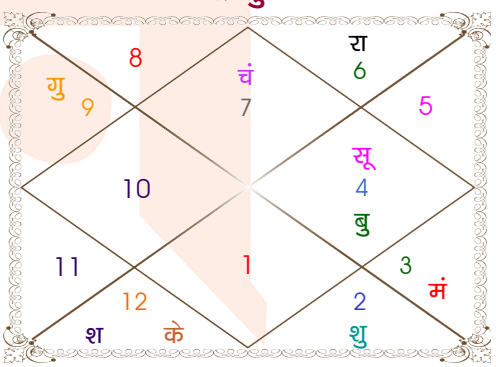

नवमांश कुंडली

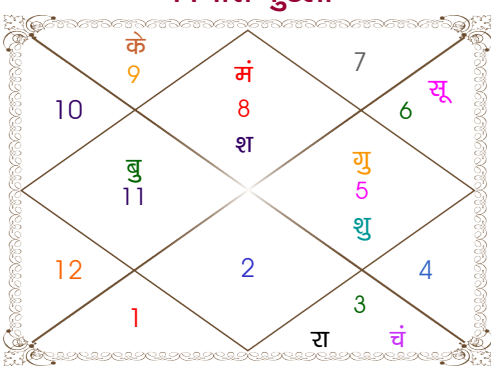

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 6 वर्ष 10 मास 2 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
25/07/1996		28/05/2003		28/05/2022		28/05/2039		28/05/2046	
28/05/2003		28/05/2022		28/05/2039		28/05/2046		28/05/2066	
	00/00/0000	शनि	31/05/2006	बुध	24/10/2024	केतु	24/10/2039	शुक्र	27/09/2049
	00/00/0000	बुध	07/02/2009	केतु	21/10/2025	शुक्र	24/12/2040	सूर्य	27/09/2050
	00/00/0000	केतु	19/03/2010	शुक्र	21/08/2028	सूर्य	30/04/2041	चंद्र	28/05/2052
	25/07/1996	शुक्र	19/05/2013	सूर्य	27/06/2029	चंद्र	29/11/2041	मंगल	28/07/2053
शुक्र	09/12/1997	सूर्य	01/05/2014	चंद्र	27/11/2030	मंगल	28/04/2042	राहु	27/07/2056
सूर्य	27/09/1998	चंद्र	30/11/2015	मंगल	24/11/2031	राहु	16/05/2043	गुरु	28/03/2059
चंद्र	27/01/2000	मंगल	08/01/2017	राहु	12/06/2034	गुरु	21/04/2044	शनि	28/05/2062
मंगल	02/01/2001	राहु	15/11/2019	गुरु	17/09/2036	शनि	31/05/2045	बुध	28/03/2065
राहु	28/05/2003	गुरु	28/05/2022	शनि	28/05/2039	बुध	28/05/2046	केतु	28/05/2066

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
28/05/2066		28/05/2072		28/05/2082		28/05/2089		29/05/2107	
28/05/2072		28/05/2082		28/05/2089		29/05/2107		00/00/0000	
सूर्य	15/09/2066	चंद्र	28/03/2073	मंगल	24/10/2082	राहु	08/02/2092	गुरु	16/07/2109
चंद्र	16/03/2067	मंगल	27/10/2073	राहु	12/11/2083	गुरु	04/07/2094	शनि	28/01/2112
मंगल	22/07/2067	राहु	28/04/2075	गुरु	18/10/2084	शनि	10/05/2097	बुध	05/05/2114
राहु	15/06/2068	गुरु	27/08/2076	शनि	26/11/2085	बुध	27/11/2099	केतु	11/04/2115
गुरु	03/04/2069	शनि	28/03/2078	बुध	24/11/2086	केतु	15/12/2100	शुक्र	26/07/2116
शनि	16/03/2070	बुध	28/08/2079	केतु	22/04/2087	शुक्र	16/12/2103		00/00/0000
बुध	20/01/2071	केतु	28/03/2080	शुक्र	21/06/2088	सूर्य	09/11/2104		00/00/0000
केतु	28/05/2071	शुक्र	26/11/2081	सूर्य	27/10/2088	चंद्र	11/05/2106		00/00/0000
शुक्र	28/05/2072	सूर्य	28/05/2082	चंद्र	28/05/2089	मंगल	29/05/2107		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 6 वर्ष 9 मा 8 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं तुला द्रेष्काण भी उदित था। जो यह संकेत देता है कि आप सदैव मात्र विलासिता संबंधी विषयों के प्रति रुचिवान रहेंगे। मुख्यतः वासनात्मक विलास प्रियता आप में विद्यमान रहेगा। आप अपनी पत्नी के साथ आनंद प्राप्ति में अभिभूत रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप काम कला की उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अथवा प्रसार हेतु प्रयत्नशील रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप कामसूत्र के विशेषज्ञ हो जाएं।

संप्रति यदि आपके लिए कार्य है तो वह कार्य घर से संबंधित है। आप अपने शयन कक्ष को अति आकर्षक बनाने के संबंध में सदैव चिंतित रहेंगे। आप अपनी पत्नी की प्रीति में पूर्ण समर्पित रहकर, पत्नी के आकर्षक के कारण एवं विलासिता संबंधी प्रसन्नता हेतु कुछ भी संभव उपाय करने के लिए सीमोलंघन भी कर सकते हैं। संप्रति आप अपनी संगिनी के प्रति अत्यन्त समर्पित हैं।

आप पूर्णरूपेण अश्वस्त होंगे कि आपको एक अच्छी जीवन संगिनी प्राप्त हुई है। आप अपनी पसंद तथा इच्छानुरूप मिथुन अथवा कुंभ राशि की जीवन संगिनी का चयन करें तथा कर्क, मकर एवं मीन जल तत्व राशि की संगिनी का त्याग करें। आपके लिए यह अनिवार्य है कि आपका घरेलू जीवन सुव्यवस्थित हो। यदि संयोगवश आप अपनी जीवन संगिनी के साथ समान तारतम्य नहीं रहा तो अप्रियता एवं दुःखद अनुभव करेंगे। इस प्रकार आपका पारिवारिक जीवन किसी संभावित घटना के कारण असंतुलित हो जाय तथा आपका संपर्क का परित्याग हो जाए। पुनः आप किस प्रकार गृह व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे।

आपके जीवन का अन्य रुचिकर विषय आपके मित्र से संबंध स्थापित करने का है। आपकी इच्छा रहती है कि आपके अच्छी मित्र मण्डली हो। जिसके सहयोग के लिए आप सतत कुछ भी करने के तत्पर रहेंगे। आपका अन्य पक्ष यह है कि आप अपने स्तर से अपने मित्रों को प्रस्तुत करेंगे। वास्तविकता तो यह है कि आपके दृष्टिकोण में ऐसा है कि ये मित्र आपके लिए पीठ की हड्डी अर्थात् रीढ़ की भांति प्रमाणित होंगे।

आपके जन्म संयोजन में चित्रा नक्षत्र एवं तुला जन्म लग्न के प्रभाव से आप अत्यंत ही लाभ एवं जीवन की सभी सुविधाओं से युक्त रहेंगे, परंतु वृश्चिक नवमांश के कुप्रभाव से जहां तक हो अड़चन बाधाओं से युक्त परिस्थिति भी हो सकती है। इस प्रकार की परिस्थिति अन्त में आपकी बाधाओं से मुठभेड़ करा सकती है जो आपके शारीरिक अंगों में रोग उत्पन्न करा कर आपकी समृद्धि में बाधक बन जाएं। अतएव आपके लिए अति अनिवार्य है आप गुप्त रोग जनित कार्य से विक्षिप्त प्रभाव के कारण यह संभाव्य है कि आपको मुंह छिपाना पड़े। अतः आप मंगलवार के दिन उपवास रहने का प्रयास करें-यह आपके स्वास्थ्य के लिए सहायक होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सक्रियता पूर्वक आप में यह क्षमता विद्यमान है कि आप अपनी शक्ति सम्पन्नता का अच्छा प्रभाव अपने गुणों के अनुसार किसी भी क्षेत्र में अनिवार्य रूप से सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आप कठिन श्रम करने के लिए सुनिश्चित कर सम्पन्नता का

लाभांश यथा धन प्राप्ति के अतिरिक्त भूमि भवन का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

आपको इस प्रकार की आदतों का परित्याग कर सुख आराम की प्राप्ति हेतु व्यवसायिक प्रवृति से पृथक करना चाहिए। आपको प्रेम-प्रसंग हेतु आपने समय का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए।

आपको अपनी उन्नति हेतु सही तरीके से किस प्रकार सरकारी अधिकारी को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार का प्रभावशाली बातचीत कर सके। यह जानते हैं। आप अपने लिए कार्य व्यवसाय में ट्रांसपोर्टर का कार्य, औषधि का व्यवसाय एवं कांट्रेक्टर का कार्य कर सकते हैं।

आप किसी भी व्यक्ति के साथ संगठित हो कर अच्छी प्रकार मिलजुल कर साथियों के मध्य प्रख्यात हो जाते हैं। आप धैर्य पूर्वक विनोद प्रिय एवं आनंददायक बाते करके प्रसन्नता प्रदान करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वभाव को क्षति कर सकते हैं तथा जब किसी प्रकार की घटना क्रम में आप हिंसात्मक प्रवृति के हो जाते है। आप इस प्रकार की प्रवृति के प्रति शिक्षा ग्रहण कर विपरीत स्थिति के प्रति अपने में बदलाव करें। इस प्रकार की मनोवृति को रोकना उत्तम होगा। क्योंकि आपकी यह आदत हानिकारक है। आप अपने जीवन के इन तथ्यों पर विचार नहीं कर सके तो आपकी बहुत बड़ी क्षति होकर आपकी वृद्धावस्था आर्थिक रूप से प्रभावित हो जाएगा। आप इस प्रकार की समर्पित भावनाओं को नियंत्रित कर लें। इसलिए कि आप को अपना संपूर्ण जीवन आरामदायक ढंग से बिताना है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 2, 4, 7 एवं 8 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक उपयुक्त नहीं है।

रंगों में आपके लिए हरा, पीला रंग, आपके लिए रूचि कर एवं व्यवस्थित रंग है। परंतु रंग सफेद लाल, नारंगी आपके लिए अनुकूल एवं शुभ है।